(ख) अनुदान राशियों का उपयोग खादी तथा पॉलीवस्त्र पर छूट की अदायगी, पेशगी राजसहायता, प्रदर्शनियों, प्रशिक्षणों, सेमिनारों तथा विभिन्न खादी तथा ग्रामोद्योग कार्यक्रमों नामत: पॉटरी, चूना उद्योग, बेंत तथा बांस, अनाज तथा दालों का प्रसंस्करण, सेवा उद्योग, मधुमक्खी पालन उद्योग, ग्रामीण तेल उद्योग, अखाद्य तेल उद्योग, इलेक्ट्रानिक्स, फल तथा सब्जी प्रसंस्करण उद्योग, चमड़ा, कुटीर माचिस उद्योग इत्यादि के क्रियान्वयन में किया गया है।

Financial norms of the growth centre

3073. SHRI W. ANGOU SINGH: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the financial norms of the growth centre in the States;

(b) whether State Governments of the North-East Region have requested that the norms be in the ratio of 4:1 in the industrially backward States; and

(c) if so, reaction of the Government thereto?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MURASOLI MARAN): (a) The existing financing pattern for each of the growth centre approved under the Growth Centre Scheme, 1988 is as follows:

Centre (Equity)	-	Rs. 10 crores
State (Equity)	-	Rs. 5 crores
Financing Institutions (including Rs. 2 crores as equity)	-	Rs. 4 crores
National Banks	-	Rs. 1 crore
		Rs. 20 crores.
Market Borrowings	-	Rs. 10 crores
	Total:	Rs. 30 crores

(b) and (c) There is a proposal of State of Assam suggesting change in financial norms of the Growth Centre to 4:1. As of now, it is the existing financing pattern for growth centre projects which is applicable to the North-Eastern States.

Ranking of towns in terms of industrial production

3074. SHRI NARENDRA MOHAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the ranking of Kanpur from the point of view of large scale industrial production;

(b) the names of the first ten industrially most important towns of the country; and

(c) the ranking of Kanpur in the year 1947, and why this town has become the graveyard of industries?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MURASOLI MARAN): (a) to (c) Information on industrial production in respect of major cities of the country is not centrally maintained.

औद्योगिक उत्पादन के संबंध में भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मंडल संघ (फिक्की) का आकलन

3072. **श्री नरेन्द्र मोहन:** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत सरकार भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मंडल संघ (फिक्की) के इस आकलन से सहमत है कि वर्ष 1996-97 में देश में औद्योगिक उत्पादन आशा के अनुरूप नहीं हुआ है और औद्योगिक क्षेत्र ने यह आशंका व्यक्त की है कि वर्तमान वर्ष 1997-98 में भी औद्योगिक उत्पादन निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नहीं होगा;

(ख) यदि नहीं, तो "फिक्की" के आकलन में कहां दोष है; और

(ग) औद्योगिक उत्पादन के लक्ष्य को आशानुरूप बढ़ाने के लिए क्या उपाय सोचे जा रहे हैं?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन): (क) से (ग) औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के अनुसार, अप्रैल-दिसम्बर, 1996-97 में समग्र औद्योगिक विकास पिछले वर्ष की इसी अवधि में 11.5% की तुलना में 8.3% था। कम निष्पादन वाले क्षेत्रों में बाधाओं को दूर करने लिए क्षेत्र विशेष नीतियां पहले ही शुरू की जा चुकी हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा हाल ही में घोषित ऋण नीति से भी औद्योगिक विकास को और गति मिलने की आशा है। सरकार ने त्वरित औद्योगिक विकास के लिए केन्द्रीय बजट 1997-98 में भी उपाय प्रस्तावित किये हैं।